प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2023

भारत सरकार

Government of India

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)

Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम विज्ञान विभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

गर्म मौसम (मार्च से मई) 2023 के लिए ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण तथा मार्च 2023 के लिए वर्षा और तापमान हेतु मासिक दृष्टिकोण

Seasonal outlook for hot weather season (March to May) 2023 and Monthly Outlook for March 2023 for the Rainfall and Temperature

मुख्य अंश

- आगामी गर्म मौसम (मार्च से मई) के दौरान पूर्वोत्तर, पूर्व और मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों तथा उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है । देश के शेष हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की सबसे अधिक संभावना है ।
- ऋतु (मार्च, अप्रैल, मई) के दौरान, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक होने की संभावना है| केवल दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है ।
- मार्च 2023 के लिए मासिक अधिकतम तापमान देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक रहने की संभावना है केवल प्रायद्विपीय भारत को छोड़कर, जहां अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है।
- मार्च, 2023 के दौरान, मासिक न्यूनतम तापमान भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक होने की संभावना है केवल दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है।
- मार्च से मई के मौसम के दौरान उष्ण लहर (हीटवेव) मध्य और आसपास के उत्तर पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में अधिक होने की संभावना है । मध्य भारत में मार्च 2023 के दौरान उष्ण लहर की घटना की कम संभावना है ।
- देश भर में मार्च 2023 में औसत वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत/एलपीए का 83-117%) रहने की संभावना है । उत्तर-पश्चिम भारत और पश्चिम मध्य भारत के अधिकांश क्षेत्रों तथा पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा सामान्य से कम होने की संभावना है । प्रायद्वीपीय भारत एवं पूर्व मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है ।

गर्म मौसम (मार्च से मई) 2023 के लिए ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण तथा मार्च 2023 के लिए वर्षा और तापमान हेतु मासिक दृष्टिकोण

1. पृष्ठभूमि

2016 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी /IMD), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) गर्म और ठंडे दोनों मौसम के लिए देश भर में तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण जारी कर रहा है। आईएमडी पूर्वानुमान मॉडल के कौशल में सुधार करने के लिए भी लगातार काम करता है। वर्तमान रणनीति नव विकसित मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल (एमएमई/MME) प्रणाली पर आधारित है। एमएमई/MME दृष्टिकोण आईएमडी/पृ.वि.मं. (IMD/MoES) मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम/CGCMs) का उपयोग करता है। आईएमडी ने अब देश भर में आगामी गर्म मौसम ऋतु (मार्च से मई 2023) और मार्च 2023 माह के लिए ऋतु और मासिक तापमान पूर्वानुमान तैयार किया है जैसा कि क्रमशः खंड 2(ए) और 2(बी) में प्रस्तुत किया है।

उष्ण लहर (हीट वेव) असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि है, जो गर्म मौसम के दौरान होने वाले सामान्य अधिकतम तापमान से ज़्यादा होता है । गर्म मौसम की ऋतु के लिए उष्ण लहर/हीटवेव आउटलुक खंड 3 में प्रस्तुत किया गया है।

आईएमडी/IMD ने मार्च 2023 के लिए वर्षा का मासिक दृष्टिकोण भी तैयार किया है और इसे खंड 4 में प्रस्तुत किया गया है।

2(क). मार्च से मई 2023 के लिए ऋतु तापमान दृष्टिकोण

चित्र. 1(ए) और चित्र. 1(बी) मानसून से पहले / प्री-मानसून ऋतु मार्च से मई, 2023 के लिए क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान की अनुमानित संभावनाएँ दिखाते हैं ।

आगामी गर्म मौसम ऋतु (मार्च से मई) के दौरान पूर्वोत्तर, पूर्व और मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों तथा उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक होने की संभावना है । देश के शेष हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की अधिक संभावना है।

न्यूनतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान (चित्र 1बी) इंगित करता है कि आगामी गर्म मौसम ऋतु (मार्च से मई) के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य या

सामान्य से अधिक होने की संभावना है केवल दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर जहां न्यूनतम तापमान, सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है।

2(ख). मार्च 2023 के लिए मासिक तापमान पूर्वानुमान

चित्र. 2ए और चित्र. 2बी मार्च 2023 के लिए क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान के पूर्वानुमान की संभावना दिखाते हैं । मार्च 2023 के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक होने की संभावना है केवल प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर, जहां अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है (चित्र. 2ए) ।

भारत के अधिकांश हिस्सों में मासिक न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक होने की संभावना है केवल दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम होने की संभावना है (चित्र. 2बी) ।

3. मार्च से मई ऋतु और मार्च 2023 के लिए उष्ण लहर/हीटवेव दृष्टिकोण

मार्च से मई 2023 की ऋतु के लिए देश भर में उष्ण लहर/हीटवेव के स्थानिक वितरण के लिए संभावित पूर्वानुमान चित्र. 3ए में दिखाया गया है । पूर्वानुमान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के कई क्षेत्रों में उष्ण लहर की घटना के लिए बढ़ी हुई संभावना इंगित करते है ।

मार्च 2023 के लिए देश भर में उष्ण लहर के संभावित पूर्वानुमान को चित्र. 3बी में दिखाया गया है । पूर्वानुमान मध्य भारत में उष्ण लहर की घटना के लिए कम संभावना इंगित कर रहा है।

4. मार्च 2023 के लिए मासिक वर्षा संभावना

मार्च 2023 के दौरान पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत/एलपीए का 83-117%) रहने की संभावना है । 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर मार्च के दौरान देश भर में वर्षा का एलपीए लगभग 29.9 मिमी है।

मार्च 2023 के लिए देश भर में टर्सिल वर्षा श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से कम) के स्थानिक वितरण के लिए संभावित पूर्वानुमान चित्र. 4 में दिखाया गया है । पूर्वानुमान दर्शाता है कि उत्तर-पश्चिम और पश्चिम मध्य भारत के कई क्षेत्रों और पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा सामान्य से कम होने की संभावना है । प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्व मध्य भारत के कुछ हिस्सों और पूर्वोत्तर भारत के इक्का-दुक्का हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। मानचित्र में बिंदीदार क्षेत्रों में मार्च माह के दौरान जलवायु की दृष्टि

से बहुत कम वर्षा होती है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

5. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्री सतह तापमान (SST) की स्थिति

वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में ला नीना की स्थिति बनी हुई है। ला नीना के कमजोर पड़ने और पूर्व-मानसून ऋतु के दौरान अल नीनो दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ/ENSO) की तटस्थ स्थितियों में बदलने की संभावना है ।

प्रशांत क्षेत्र में ईएनएसओ /ENSO स्थितियों के अलावा, हिंद महासागर समुद्र सतह तापमान/SST जैसे अन्य कारक भी भारतीय जलवायु को प्रभावित करते हैं । वर्तमान में हिंद महासागर पर तटस्थ आईओडी/IOD स्थितियां प्रचलित हैं और नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS पूर्वानुमान इंगित करता है कि तटस्थ आईओडी/IOD स्थितियां पूरे पूर्वानुमान अवधि (प्री-मानसून ऋतु) के दौरान जारी रहने की संभावना है।

6. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम-श्रेणी की पूर्वानुमान सेवाएं

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी /IMD), प्रत्येक सप्ताह गुरुवार को देश भर में वर्षा तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान के विस्तारित रेंज के पूर्वानुमान (अगले चार हफ्तों के लिए 7-दिन का औसत पूर्वानुमान) भी जारी करता है। यह वर्तमान में आईएमडी/IMD में परिचालित मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल डायनामिकल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम पर आधारित है। पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforcast.php) के माध्यम से उपलब्ध हैं।

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद आईएमडी/IMD द्वारा दैनिक रूप से लघु से मध्यम श्रेणी का पूर्वानुमान जारी किया जाता है ।

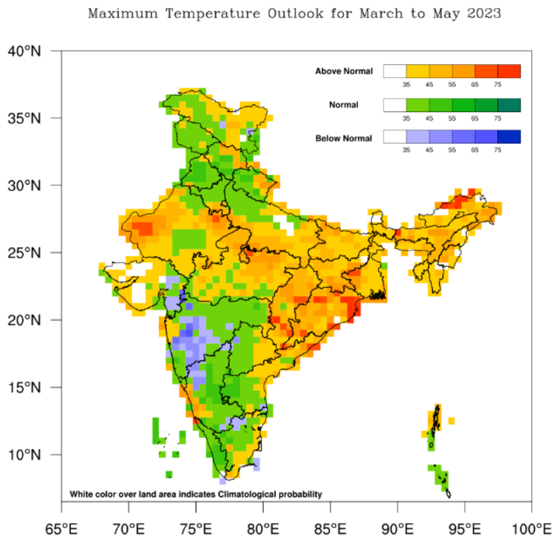

चित्र 1ए. मार्च से मई **2023** ऋतु के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान ।

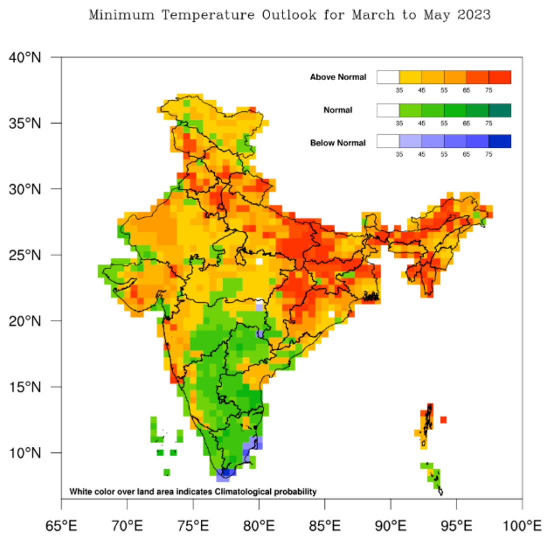

चित्र 1बी. मार्च से मई **2023** ऋतु के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान ।

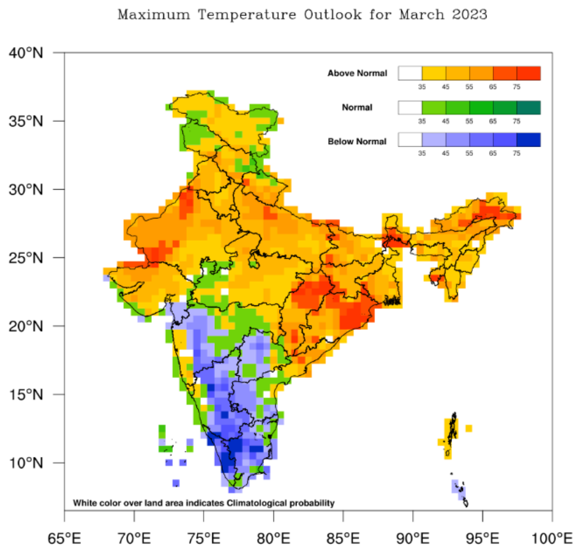

चित्र 2ए. मार्च 2023 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान ।

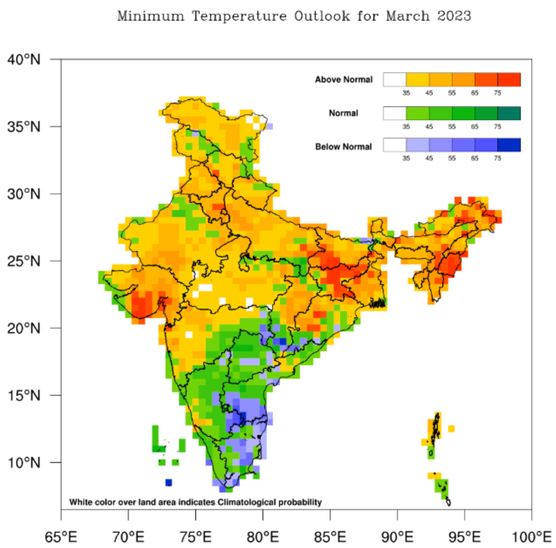

चित्र 2बी. मार्च 2023 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान ।

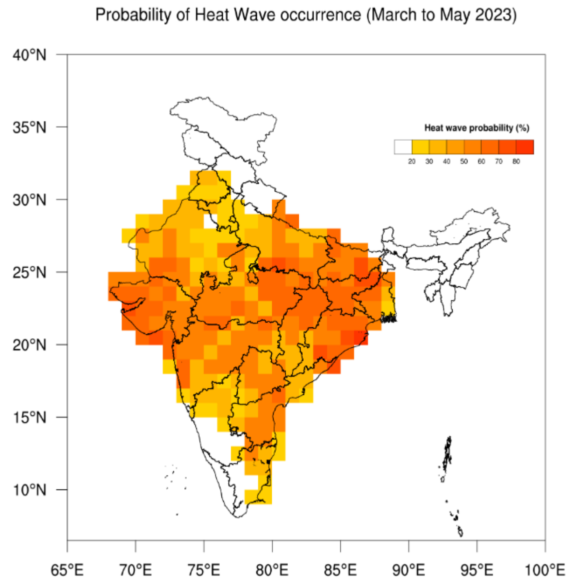

चित्र 3ए. मार्च से मई **2023** ऋतु के लिए उष्ण लहर की संभावना का पूर्वानुमान।

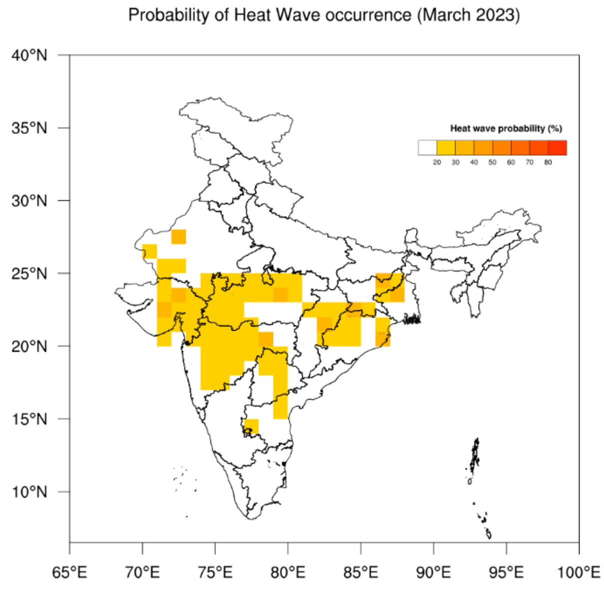

चित्र 3बी. मार्च **2023** के लिए उष्ण लहर की संभावना का पूर्वानुमान।

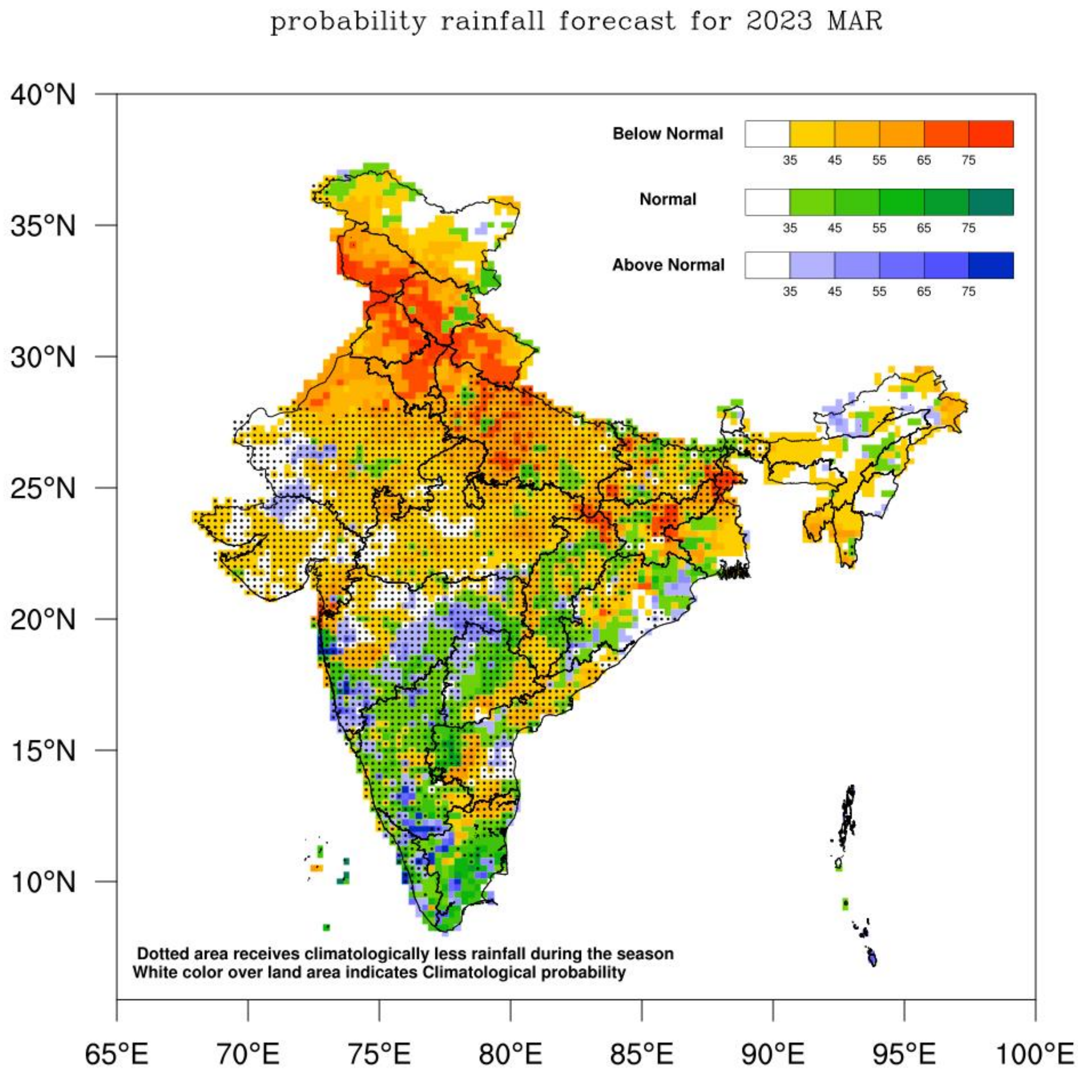

चित्र 4. मार्च 2023 के दौरान भारत में वर्षा के लिए टर्सिल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभावित पूर्वानुमान । यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है । मानचित्र में दिखाया गया बिंदीदार क्षेत्र बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं । (*टर्सिल श्रेणियों में समान जलवायु संबंधी संभावनाएँ हैं, प्रत्येक की 33.33%)।